नेपाल शरणार्थियों को वैक्सीन देने वाला एशिया प्रशांत क्षेत्र का पहला देश

- नेपाल-
  - अपने राष्ट्रीय टीकारण अभियान-शरणार्थियों को कोविड-19 वैक्सीन
  - 7 मार्च से-पूर्वी हिस्से-भूटानी शरणार्थियों-टीका
  - पूर्वी नेपाल-झापा जिले की बस्तियों-शरणार्थियों
  - 1990 के दशक-भूटानी शरणार्थी-नेपाली बोलने वाले भूटानी
  - लगभग 1 लाख शरणार्थी
  - भूटान द्वारा वापस लेने से इंकार-संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी, पश्चिमी देशों- ''थर्ड कंट्री सेटलमेंट-अपने यहाँ''
  - एक लाख से अधिक शरणार्थी-अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाड़ा, यूरोप
  - नेपाल में 18000+
  - नेपाल ने-भारत से-कोविशील्ड की 10 लाख डोज-जनवरी
- भारत-भूटान-सीमा लंबाई-699 कि.मी.-असम (267 कि.मी.), अरुणाचल प्रदेश (217 कि.मी.), पश्चिम बंगाल (183 कि.मी.), सिक्किम (32 कि.मी.)

कोवैक्स

- नाम- कोवैक्स **(COVAX)** ग्लोबल वैक्सीन फैसिलिटी
- वैश्विक पहल- आय के आधार विभेद समाप्त-सभी देशों को त्वरित समानरूप-टीका
- विभिन्न देशों का समूह-अमीर देश पैसा
  - विकासशील-गरीब देशों को वैक्सीन
- उद्देश्य-2021 के अंत तक-दो अरब खुराक आपूर्ति
- जुड़ने का टाइमलाइन-31 अगस्त 2020
- प्रोग्राम को तैयार-**WHO**, गवि वैक्सीन अलायंस, **Coalition for Epidemic Preparedness Innovations.**,
- नेतृत्व- **WHO**
- कोवैक्स-**Access to Covid-19 Tools (ACT)** का हिस्सा
- **ACT-** वैक्सीन, ट्रीटमेंट, टेस्ट, रिसर्च-बढ़ावा-सरकार व **NGO** फंडिंग
- कोवैक्स- 27% आबादी का टीकाकरण
- ''जब तक हर व्यक्ति सुरक्षित नहीं, तब तक कोई भी सुरक्षित नहीं''
- घाना
  - कोवैक्स के तहत-टीका प्राप्त-पहला देश
  - सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया-एक्ट्राजेनेका-6 लाख
  - 24 फरवरी

- 9 करोड़ खुराक-अफ्रीका देशों-वर्ष 2021 की पहली छमाही
- भारत-इसी प्रोग्राम के तहत-अधिकांश देशों को वैक्सीन की आपूर्ति

आहार क्रांति मिशन

- नया मिशन-प्रारंभ होगा
- लक्ष्य
  - पोषक और संतुलित आहार की जरूरत
  - स्थानीय फलों व सब्जियों तक पहुँच कायम करना
- विज्ञान भारती + ग्लोबल इंडियन साइंटिस्ट एंड टैक्नोक्रैट्स फोरम
- उत्तम आहार-उत्तम विचार
- भारत में उत्पादन ज्यादा, कूपोषण भी-स्वास्थ्य पोषण की जानकारी का अभाव, पहुँच न होना
- स्वस्थ्य पोषण-प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत-कोरोना जैसी महामारी
- संयुक्त राष्ट्र-2021-अंतर्राष्ट्रीय फल एवं सब्जी वर्ष
- आहार क्रांति मिशन-**UN**, वर्ष-अनुकूल
- उद्देश्य- **SDG-3**- सभी लोगों को स्वस्थ्य जीवन और कल्याण
- भारत-आयुर्वेद-आयुर्वेद आधारित पोषण-मिशन इस लक्ष्य को भी
- खान-पान, स्थानीय फलों-सब्जियों के महत्व-
- कार्यक्रम-अध्यायकों को प्रशिक्षित-छात्रों के माध्यम से परिवार-समाज तक
- पोलियो उन्मूलन में रणनीति-प्रयोग की जा चुकी है।
- वैश्विक लक्ष्य-आहार क्रांति मिशन-पूरे विश्व के लिए मॉडल
- पोषण क्या और क्यों-पाठ्यक्रम
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्रसार

महेंद्रगिरी: ओडिशा का दूसरा बायोस्फीयर रिजर्व

- ओडिशा-सरकार-प्रस्ताव-महेंद्रगिरी-दूसरा बायोस्फीयर रिजर्व
- सिमलीपाल बायोस्फीयर रिजर्व-ओडिशा का पहला-20 मई 1996
- क्षेत्रफल 5,569 वर्ग कि.मी.
- महेंद्रगिरी-राज्य की दूसरी सबसे ऊँची चौटी-1501 मीटर
- प्रस्तावित-महेंद्रगिरी का क्षेत्रफल-470955 हेक्टेयर
- पहाड़ी पारिस्थितिकी तंत्र-दक्षिण और उत्तर हिमालय की वनस्पति को जोड़ने
- आनुवांशिक विविधता का पारिस्थितिक क्षेत्र
- महेद्रगिरी-संरक्षित पुरात्त्व अवशेषों-यूनेस्को की विश्व धरोहार स्थलों की-अस्थायी सूची में सूचीबद्ध- इसे बायोस्फीयर रिजर्व घोषित करना आसान
- ओडिशा की-40% वनस्पति इस क्षेत्र

- संकटग्रस्त औषधीय पौधों की-41 में से-29
- पक्षियों की 165 प्रजातियाँ, स्तनधारियों की 27 प्रजातियाँ सांपों की 23 प्रजातियाँ, कछुओं की 3 प्रजातियाँ, उभयचरों की 15 प्रजातियाँ
- बायोस्फीयर रिजर्व-शब्द का प्रयोग-एडवर्ड सुएस यूनेस्को-मानव और जैवमंडल जैवमंडल प्रोग्राम-1971 का हिस्सा
- प्राकृतिक और सांस्कृतिक परिदृश्य के प्रतिनिधि-विस्तृत क्षेत्र-5000 वर्ग कि.मी. से अधिक
- तीन भाग-
  1. कोर जोन- अविभाजित, कानूनी रूप से संरक्षित
  2. बफर जोन- शोध एवं शैक्षणिक गतिविधि
  3. बाहरी जोन/ट्रांजिशन जोन- फसल, वानिकी, मनोरंजन, मछली पालन
- कुल-18
- यूनेस्को के मानव और संरक्षित जैवमंडल **(MAB)**- 18 में से-12 संरक्षित जैवमंडलों के विश्व नेटवर्क

कालिंकबल मंदिर

- चेन्नई के-जार्ज टाउन-थंबू चेट्टी स्ट्रीट
- पहले यह समुद्र के किनारे
- वर्तमान मंदिर-1640 के दशक
- पुराना-समुद्र के किनारे-पुर्तगाली आक्रमणकारियों ने नष्ट-देवी कामाक्षी के उग्र रूप की पूजा
- हिंदू देवी कामाक्षी, पार्वती और भगवान कामतेश्वर को समर्पित
- वर्तमान- शांत कालीकंबल देवी को स्थापित
- मराठा योद्धा, शिवाजी-1600 के आस पास पूजा करने

Foot & Mouth disease - FMD

- मुंहपका- खुरपका रोग **(Foot and Mouth disease, FMD)** पशुओं में होने वाला-अत्यंत संक्रामक एवं घातक विषाणुजनित
  - गाय, भैंस, भेंड, बकरी, सूअर, पालतू पशु, हिरन एवं जंगली पशुओं
- यह कभी भी फैल सकता-खास मौसम नहीं
- इंसानों को प्रभावित नहीं, दुधारू पशु-सूख, 2-6 दिन तक बुखार
- अरूणाचल प्रदेश में प्रसार
- मृत्यु भी हो सकती- खाना न कर पाने के कारण
- लक्षण- तेज बुखार, मुंह, मसूडे, जीभ के ऊपर-छाले, मुंह से लार
- संक्रमित पशु-80% दुग्ध गिरावट